बेमौसम बारिशसे सड़कों-गलियोंमें गंदगीसे बढ़ी फिसलन, लोग परेशान

साफ-सफाईके अभावमें बजबजा रहा कूड़ा

बेमौसम बारिश के कारण सड़कों एवं गलियों में व्याप्त गंदगी से फिसलन बढ़ गयी है। जिस कारण लोगों के गमनागमन में दिक्कत उठानी पड़ी। लोगों का कहना है कि अगर समुचित रूप से सफाई करायी गयी होती तो गंदगी न होती और सड़कें और गलियां बारिश में साफ हो गयी थी, लेकिन निगम के संबंधित अधिकारी लापरवाह बने हुए हैं।

नगर में सफाई व्यवस्था पर मानो मानसून सत्र से ही ग्रहण लगा है। मानसून समाप्त होने के बाद भी अधिकांश सड़कों एवं गलियों में न सफाई और कूड़े का उठान सुचारू रूप से कराया गया। बीट पर नियुक्त सफाईकर्मी तीन या चार दिन पर दिखाई दिये। सबसे खास है कि इस बात की जानकारी अधिकारियों को होते हुए भी इस ओर ध्यान नहीं दिया गया। लोगों को लगा कि मानसून समाप्त हो चुका है अब सफाई व्यवस्था पूर्व की तरह दिखाई देगी पर ऐसा नहीं हुआ। कुछ क्षेत्र मे बीते दिनों जब मुख्यमंत्री का कार्यक्रम रहा तब सफाई नजर आयी थी, उसके बाद फिर जस का तस दुर्व्यस्था हावी रही। पिछले २४ घंटे से अधिक समय से हो रही रिमझिम बारिश के कारण सड़कों एवं गलियों में फैली गंदगी से फिसलन बढ़ गयी। घरों से निकले लोग संभल कर आगे बढ़े। यही हाल मुख्य सड़कों का भी रहा। वाहन की रफ्तार धीमीं होने के कारण कोई अप्रिय घटना नहीं हुई। लोगों ने नगर निगम प्रशासन से मांग की है कि सफाई व्यवस्था पूर्व की तरफ करायें ताकि लोगों को कोई समस्या उत्पन्न न हो सके।

गिरफ्तार छात्र निजी मुचलकेपर रिहा
(विधि संवाददाता)

टीजीटी-पीजीटी भर्ती में पुरानी नियमावली के अनुसार एक अवसर दिए जाने की मांग को लेकर संघर्ष के दौरान गुरुवार को शिक्षा निदेशालय से हिरासत में लिए गए छात्रनेता आशुतोष पांडेय और अभिषेक शुक्ला को शुक्रवार को निजी मुचलके पर रिहा कर दिया गया। पुलिस ने वैसे तो एक दर्जन छात्रों को हिरासत में लिया था। लेकिन आशुतोष पांडेय और अभिषेक शुक्ला को सीजेएम न्यायालय में प्रस्तुत करते हुए न्यायिक अभिरक्षा में भेजने का अनुरोध किया गया। न्यायालय ने पुलिस प्रशासन की कार्यप्रणाली पर नाराजगी जताते हुए गिरफ्तारी को उचित नहीं माना। न्यायिक अभिरक्षा मंजूर करने से इनकार करते हुए न्यायालय ने दोनों छात्रों को मुचलका भरकर देने रिहा कर दिया।

हादसेमें बाइक सवार दो एमआर की मौत, एक जख्मी

कीडगंज थाना क्षेत्र के बांगड़ चौराहे के पास गुरूवार की रात सड़क हादसे में बाइक सवार दो मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव (एमआर) की मौत हो गई, जबकि तीसरा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। आशंका है कि तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। हादसे के बाद दोनों युवकों को अस्पताल ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। पुलिस घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। मूलरूप से प्रतापगढ़ के भूपियामऊ निवासी अनुपम शर्मा (३२) और नवाबगंज के नवगवां का पुरा निवासी अंकित शुक्ला (३०) एक निजी फार्मा कंपनी में एमआर के पद पर कार्यरत थे। गुरुवार की रात दोनों अंकित के ममेरे भाई रवि ओझा के साथ बाइक से नैनी जा रहे थे। बांगड़ चौराहे के पास पहुंचते ही बाइक हादसे का शिकार हो गई। इसमें अनुपम और अंकित गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि रवि को भी चोटें आईं। आसपास मौजूद लोगों की मदद से तीनों को अस्पताल पहुंचाया गया। पहले उन्हें निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां से अंकित और अनुपम को एसआरएन अस्पताल रेफर कर दिया गया। हालांकि, चिकित्सकों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। रवि की हालत स्थिर बताई जा रही है। पुलिस की प्रारंभिक जांच में बाइक के अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकराने की आशंका जताई गई है। हालांकि, हादसे की सही वजह जानने के लिए पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। दो युवकों की मौत से परिवारों में कोहराम मचा है। अनुपम के माता-पिता पिछले कई वर्षों से नैनी में रहते हैं। उसके पिता सत्येंद्र शर्मा टीटीई के पद से सेवानिवृत्त हैं। अनुपम दो भाइयों में बड़ा था। चचेरे भाई सूरज शर्मा ने बताया कि अनुपम घर में सबसे लाडला था। वहीं, अंकित शुक्ला पिछले कई साल से शिवकुटी में रहता था। कीडगंज थाना प्रभारी दिनेश सिंह ने बताया कि हादसे के कारणों का पता लगाने के लिए घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। इससे यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि बाइक डिवाइडर से या फिर किसी अज्ञात वाहन की टक्कर से अनियंत्रित हुई थी।


मृतक अनुपम शर्मा एवं अंकित शुक्ला की फाइल फोटो।

ममेरे भाईके साथ नैनी जा रहे थे दोनों, बांगड़ चौराहापर डिवाइडरसे टकरायी थी बाइक

घर से पोस्टमार्टमके लिए ले आये शव

अंकित शुक्ला और अनुपम शर्मा की मौत के बाद परिजन बिना पोस्टमार्टम कराए ही दोनों के शव लेकर घर चले गए। अचानक हुई मौत से परिवार के लोग बदहवास थे और बिना पोस्टमार्टम के अंतिम संस्कार करना चाहते थे। अंकित के परिजन उसका शव लेकर नवाबगंज और अनुपम के घरवाले शव लेकर प्रतापगढ़ रवाना हो गए। बाद में दोनों परिवार अंतिम संस्कार की तैयारी के तहत रसूलाघाट पहुंचे। लेकिन तभी परिजनों ने पुलिस से संपर्क साधा और शवों का पोस्टमार्टम कराने के लिए कहा। पुलिस ने दोनों के शवोंको पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

लगातार रिमझिम बारिशके चलते तापमान गिरा, बढ़ी ठण्ड

न्यूनतम तापमान २०.२ और अधिकतम तापमान २२.२ डिग्री सेल्सियस रहा

नगर में लगातार दूसरे दिन शुक्रवार को भी सुबह से मौसम का मिजाज बदला हुआ दिखायी दिया। आसमान में बादल छाये रहे और पूरे दिन रुक-रुककर रिमझिम बारिश होती रही। तेज और ठण्डी हवाओं के चलते तापमान में कई डिग्री सेल्सियस की गिरावट आयी है। मौसम विभाग ने अगले २४ घंटे के लिए बारिश, गरज-चमक और तेज हवाओं का अलर्ट जारी किया है।

बंगाल की खाड़ी में विकसित चक्रवाती मौसम तंत्र के प्रभाव से संगम नगरी का मौसम पूरी तरह से बदल गया है। गुरुवार सुबह से ही आसमान में बादलों ने डेरा जमा रखा है और लगातार दूसरे दिन शुक्रवार को भी पूरे दिन रिमझिम बारिश होती रही। सड़क पर निकले राहगीरों ने ठण्ड से बचने के लिए शाल, स्वेटर जैकेट का सहारा लिया। शुक्रवार को दिन में हवाओं के साथ रिमझिम बारिश का सिलसिला शुरू हुआ, पूरे दिन रुक-रुककर जारी रही। कई घण्टे रूक-रूककर बारिश होती रही। इस कारण तापमान में गिरावट दर्ज की गयी। दिन और रात के तापमान में महज दो डिग्री सेल्सियस का ही अंतर रह गया है। दिन में सूर्यदेव के दर्शन नहीं हुए और अधिकतम तापमान २२.२ डिग्री सेल्सियस रहा। आसमान में छाये घने बादलों और बारिश के कारण दिन के तापमान में गिरावट आयी है। मौसम के इस बदले मिजाज से लोगों को अब ठण्ड की आहट महसूस होने लगी है। आज सुबह ८.३० बजे तक बीते २४ घण्टे में १५.८ मिमी बारिश हुई। दिन से रात तक बारिश हुई लेकिन समाचार लिखे जाने तक इसके आंकड़े उपलब्ध नहीं हो सके थे। मौसम विभाग से मिली जानकारी के अनुसार आज अधिकतम तापमान २२.२ डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान २०.२ डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। न्यूनतम तापमान सामान्य से २.२ डिग्री सेल्सियस नीचे रहा। तापमान में गिरावट के चलते शाम को सड़क पर निकले राहगीरों ने ठण्ड से बचने के लिए शाल, स्वेटर जैकेट का सहारा लिया वहीं घरों में भी एयर कण्डीशन-कूलर बन्द हो गये और ठण्ड से बचने के लिए लोगों ने कम्बल, रजाई सहित गर्म कपड़े निकाल लिये।

मौसम में आये बदलाव के बीच गरज-चमक और आकाशीय बिजली गिरने की आशंका को देखते हुए लोगों को सतर्क रहने की जरूरत है। बारिश और तेज हवाओं के दौरान खुले मैदानों में रहने से बचना चाहिए। बिजली कड़कने पर पेड़ों के नीचे शरण लेने के बजाय किसी सुरक्षित पक्के भवन में जाना बेहतर है। किसानों और खेतों में काम करने वाले मजदूरों को भी मौसम की स्थिति पर नजर रखने की जरूरत है।



अधिवक्ताओंकी गरिमाके समर्थनपर हाईकोर्ट बारने जताया आभार

हाईकोर्ट बार एसोसिएशन, इलाहाबाद की नव निर्वाचित कार्यकारिणी ने न्यायमूर्ति अजय भनोट के न्यायालय में २७ अक्टूबर को अधिवक्ता के सम्मान एवं गरिमा से जुड़े प्रकरण में किए गए आचरण के विरोध में प्रदेशभर के बार एसोसिएशनों और अधिवक्ताओं से मिले समर्थन के लिए आभार जताया है। नव निर्वाचित अध्यक्ष डा. सीपी उपाध्याय, महासचिव संतोष कुमार मिश्र और संयुक्त सचिव प्रेस कपिल देव यादव ने कहा कि कठिन समय में प्रदेश के अधिवक्ताओं ने एकजुटता दिखाते हुए कार्यकारिणी का मनोबल बढ़ाया है। उनका समर्थन बेहद बहुमूल्य है। उन्होंने आशा जताई कि अधिवक्ता भविष्य में भी बार एसोसिएशन की गरिमा और अधिवक्ताओं के सम्मान की रक्षा के लिए एकजुट रहेंगे। साथ ही भ्रष्ट अधिकारियों के विरुद्ध आवाज उठाने और अधिवक्ताओं की गरिमा के संरक्षण में सहयोग की अपील की।

डीएम जिले में 'सर्वशक्तिमान' की तरह काम नहीं कर सकते

(विधि संवाददाता)

हाईकोर्ट ने बिजनौर के जिलाधिकारी द्वारा पारंपरिक वार्षिक 'जाहर दीवान' (गोगा नवमी) मेले के प्रबंधन को लेकर जारी किए गए आदेश को निलंबित किया। कोर्ट ने कहा कि यह आदेश प्रथम दृष्टया अधिकार क्षेत्र से बाहर है और ऐसा लगता है कि डीएम ने अपने अधिकार क्षेत्र का अतिक्रमण किया। कोर्ट ने याचिकाकर्ताओं को बिजनौर की चांदपुर तहसील के फियोना गांव में मेला आयोजित करने की अनुमति भी दी, बशर्ते वे संबंधित अधिकारियों से जरूरी अनुमतियां प्राप्त कर लें। जस्टिस जे.जे. मुनीर और जस्टिस विवेक सरन की खंडपीठ ने कड़ी टिप्पणी करते हुए कहा कि जिलाधिकारियों को अपने जिले में इस तरह से शक्तियों का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए मानो वे 'सर्वशक्तिमान' हों। कोर्ट ने कहा, 'इस अदालत ने बार-बार जिलाधिकारियों को चेतावनी दी कि वे अपने जिले में 'सर्वशक्तिमान' की तरह व्यवहार न करें-यानी ऐसे आदेश न दें जो उनके अधिकार क्षेत्र में नहीं आते, बल्कि किसी अन्य जिला स्तरीय अधिकारी या न्यायाधीश के अधिकार क्षेत्र में आते हैं। यह मामला भी प्रथम दृष्टया अधिकार क्षेत्र के अतिक्रमण का एक और उदाहरण है।' गौरतलब है कि डीएम के इस आदेश के तहत पारंपरिक मेले का प्रबंधन 'गांव सभा' को सौंप दिया गया और राजस्व अधिकारियों की ३ सदस्यीय समिति के जरिए मेले से होने वाली कमाई भी गांव सभा को दी गई। यह आदेश २९ अगस्त, २०२५ को जारी किया गया, जब आईएएस अधिकारी जसजीत कौर बिजनौर की जिलाधिकारी थीं। अगले ही महीने उनका तबादला हो गया और उनकी जगह आईएएस अधिकारी उमेश प्रताप सिंह ने ले ली, जो अब जिले के डीएम हैं। इस आदेश को चुनौती देते हुए 'सार्वजनिक आर्य इंटर कालेज' की प्रबंधन समिति और एक अन्य पक्ष ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। हाईकोर्ट ने गौर किया कि याचिकाकर्ताओं ने पहले ही गांव सभा और कुछ विरोधी पक्षों के खिलाफ दीवानी मुकदमा दायर किया, जो पारंपरिक मेला आयोजित करने के उनके अधिकार पर सवाल उठा रहे थे। यह मुकदमा, जिसमें याचिकाकर्ताओं के प्लॉट नंबर ९८१ और ९९७ पर मेला आयोजित करने के अधिकार में किसी भी तरह की रुकावट को रोकने के लिए आदेश मांगा गया, २ दिसंबर १९९७ को बिजनौर के दूसरे अतिरिक्त सिविल जज (सीनियर डिवीजन) द्वारा याचिकाकर्ताओं के पक्ष में तय किया गया। यह मामला १९८२ के मूल मुकदमे (ओरिजिनल सूट) से जुड़ा था। हाईकोर्ट ने कहा कि जिला मजिस्ट्रेट का आदेश 'सिविल कोर्ट के उस फैसले के बिल्कुल खिलाफ है, जो याचिकाकर्ताओं के पक्ष में और गांव सभा (तथा अन्य पक्षों) के खिलाफ दिया गया।' कोर्ट ने यह भी कहा कि हालांकि इस आदेश को एक 'अंतरिम व्यवस्था' (अस्थायी इंतजाम) के रूप में पेश किया गया, लेकिन इसमें शक्तियों का इतना व्यापक इस्तेमाल किया गया, जो किसी ट्रस्ट के प्रबंधन के लिए योजना बनाने वाले सिविल कोर्ट के अधिकारों जैसा ही था। बेंच ने माना कि प्रथम दृष्टया यह आदेश बिना किसी अधिकार क्षेत्र या कानूनी अधिकार के दिया गया। इसलिए हाईकोर्ट ने रिट याचिका को स्वीकार कर लिया और राज्य के प्रतिवादियों को अपना जवाब दाखिल करने के लिए २ सप्ताह का समय दिया।

ठंडके दृष्टिगत गोशालाओंमें डालें त्रिपाल, न हो जलजमाव

गोवंश आश्रय स्थल के सम्बंध में जिलास्तरीय अनुश्रवण समिति की बैठक शुक्रवार को संगम सभागार में हुई। इस मौके पर डीएम ने सभी एसडीएम एवं खंड अधिकारियों को निर्देशित किया कि वह को अपने-अपने क्षेत्रों में भ्रमणकर गोशालाओं में सभी आवश्यक व्यवस्थायें सुनिश्चित कराये जाने का निर्देश दिया है। बारिश को देखते हुए कहा कि गौशालाओं में कहीं पर भी जलजमाव की स्थिति न होने पाये। उन्होंने ठण्ड के मौसम के दृष्टिगत गाशालाओं में ठण्ड से बचाव के लिए तिरपाल सहित अन्य सभी आवश्यक व्यवस्थाएं करें। उन्होंने गौशालाओं में लगे हुए सीसीटीवी कैमरों को निरंतर क्रियाशील बनाये रखने तथा उसके द्वारा निरंतर मानीटरिंग करते रहने के भी निर्देश दिये। जिलाधिकारी ने गौशालाओं में हरे चारे, पीने के पानी, प्रकाश की व्यवस्था सुनिश्चित किए जाने के साथ-साथ भूसा भण्डारण की भी पर्याप्त मात्रा में व्यवस्था बनाने के निर्देश दिये। डीएम ने गौवंशों का टीकाकरण कराये जाने तथा पशुचिकित्साधिकारी को नियमित रूप से गौशालाओं का भ्रमण करते रहने के निर्देश दिये। इस मौके पर सीडीओ हर्षिका सिंह सहित अन्य सम्बंधित अधिकारी मौजूद रहे।

४१वीं इंदिरा मैराथनकी तैयारी शुरू, न हो किसी भी प्रकारकी समस्या

डीएमने बैठककर तैयारियोंको समयसे पूरा करनेके दिये निर्देश

आगामी २१ नवंबर को ४१वीं इंदिरा मैराथन की तैयारी शुरू हो गयी है। मदन मोहन मालवीय स्टेडियम की ओर से सारी समस्याएं भी रखी गयी। जिस पर शुक्रवार को डीएम मनीष कुमार वर्मा ने संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों को निर्देशित किया कि मैराथन में किसी भी प्रकार की समस्या नहीं होनी चाहिए।

संगम सभागार में ४१ वीं अखिल भारतीय प्राइजमनी इंदिरा मैराथन की तैयारियों के सम्बंध में बैठक में डीएम ने पीडब्ल्यूडी एवं एनएचएआई के अधिकारियों को मैराथन मार्ग का निरीक्षण करने तथा यदि कहीं मार्ग पर गड्ढे इत्यादि हो, तो उन्हें ठीक कराने के निर्देश दिए। उन्होंने नगर निगम को साफ-सफाई, पीने के पानी, मोबाइल टॉयलेट सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थायें सुनिश्चित करने के निर्देश दिए है। साथ ही उन्होंने नगर निगम को भी निर्देशित किया है कि इंदिरा मैराथन मार्ग पर कहीं पर भी छुट्टे जानवर आदि न रहे। स्वास्थ्य विभाग को चिकित्सकों, दवा की किटों के साथ-साथ एम्बुलेंस की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित कराये जाने के निर्देश दिये। उन्होंने पुलिस अधीक्षक यातायात से ट्रैफिक की व्यवस्था कराने के लिए कहा। उन्होंने क्षेत्रीय क्रीडा अधिकारी को सिविल डेफेंस, एनएसएस, एनसीसी तथा अन्य संगठनों से भी समन्वय बनाते हुए उनसे सहयोग लेने के लिए कहा। क्षेत्रीय क्रीड़ा अधिकारी शिव कुमार यादव ने बताया कि आगामी १९ नवंबर को आयोजित होने वाली ४१वीं इंदिरा मैराथन में प्रथम विजेता को २ लाख, द्वितीय को १ लाख एवं तृतीय विजेता को ७५००० की धनराशि के साथ ११ लोगों को १०-१० हजार सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इंदिरा मैराथन को लेकर सारी व्यवस्थाएं समय से पूरी कर ली जाएगी। इस मौके पर नगर मजिस्ट्रेट विनय कुमार सिंह, पुलिस विभाग के अधिकारी सहित अन्य सम्बंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

नाबालिगसे दुराचारके दोषीको २० सालकी कारावास

(विधि संवाददाता)

नाबालिग बालिका के अपहरण और उसके साथ गंभीर लैंगिक अपराध के मामले में अपर विशेष न्यायाधीश (पॉक्सो एक्ट) की अदालत ने अभियुक्त श्यामू को पॉक्सो एक्ट के तहत २० वर्ष के कठोर कारावास और ४० हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई है। वहीं, इसी मामले में ७५ वर्षीय श्रीपति उर्फ पुजारी उर्फ फूलचन्द्र को अपहरण के अपराध में पांच वर्ष के कारावास और तीन हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है।

११ साल बाद पीड़ित परिवारको मिला न्याय

यह फैसला विशेष न्यायाधीश अंजू कनौजिया ने अभियोजन की ओर से विशेष लोक अभियोजक सविता पाठक एवं आरोपितों के अधिवक्ता के तर्कों को सुनकर पत्रावली पर उपलब्ध सबूतों का अवलोकन करने बाद शुक्रवार को सुनाया। अभियोजन मामले के अनुसार, हंडिया थानाक्षेत्र के ग्राम धनुपुर निवासी महिला वादी ने अपनी नातिन के लापता होने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। नातिन अपने माता-पिता के निधन के बाद दादी के साथ रहती थी। २९ मई २०१५ को जब घर पर नहीं थीं तभी श्यामू रामू तथा श्रीपति उर्फ पुजारी और अन्य लोग वहां पहुंचे। पीड़िता को बताया गया कि उसकी दादी की तबीयत खराब है और उसे उनसे मिलने चलना है। इसी बहाने उसे अपने साथ ले गए। जब वादी घर लौटीं तो घर पर ताला लगा मिला। आसपास के लोगों से जानकारी मिलने पर उन्हें पता चला कि कुछ लोग उनकी नातिन को अपने साथ ले गए हैं। इसके बाद उन्होंने रामू से नातिन के बारे में पूछताछ की, जहां उन्हें कथित तौर पर धमकी दी गई। अंततः उन्होंने हंडिया थाने में मुकदमा दर्ज कराया। मुकदमे में वादिनी ने न्यायालय में बयान दिया कि उनकी नातिन की मृत्यु हो चुकी है। अदालत के फैसले से ११ साल बाद पीड़ित परिवार को न्याय मिला।

हाटस्टफ चौराहेपर लौहपुरुषकी प्रतिमाका आज होगा अनावरण



सरदार बल्लभभाई पटेलकी जयंतीपर शामिल होंगे जलशक्ति मंत्री

भारत रत्न लौह पुरुष सरदार बल्लभभाई पटेल की १५०वीं जयंती पर ३१ अक्तूबर सिविल लाइंस में एसपी मार्ग पर स्थित हाटस्टफ चौराहे पर नगर निगम की ओर स्थापित की गयी लौहपुरुष की प्रतिमा का अनावरण समारोह आयोजित किया गया है। इस मौके पर जलशक्तिमंत्री स्वतंत्र देव सिंह अपरान्ह डेढ़ बजे प्रतिमा का अनावरण करेंगे।

बता दें कि छत्रपति शिवाजी महाराज जनकल्याण समिति चकनिरातुल, सरदार पटेल सेवा संस्थान अलोपीबाग एवं वीर सेनानी पूर्व सैनिक कल्याण समिति और अन्य सामाजिक संस्थाओं की पिछले कई वर्षों से मांग रही कि एसपी मार्ग स्थित हाटस्टफ चौराहे पर लौहपुरुष की प्रतिमा लगायी जाय। विधायक हर्षवर्धन बाजपेई के अथक प्रयास से महापौर एवं नगर आयुक्त ने प्रतिमा लगाने की सहमति प्रदान की और पिछले पांच दिनों से प्रतिमा स्थल पर निर्माण कार्य होता रहा। नगर निगम की ओर लगायी जा रही लौहपुरुष की प्रतिमा को देखते हुए उक्त संस्थाओं के पदाधिकारी पूर्व सूबेदार थल सेना कारगिल युद्ध विजेता श्याम सुंदर सिंह पटेल, अशोक कुमार पांडे, रामधन सिंह, अमरनाथ सिंह, मानसिंह, विनोद सिंह, लेखराज सिंह, लोकनाथ सिंह, जीपी सिंह, अखिलेश मिश्रा, आईसी तिवारी, बछराज सिंह यादव आदि ने हर्ष व्यक्त करते हुए नगर निगम प्रशासन को धन्यवाद प्रेषित किया है।

आठ टीमोंका १६ मिठाइयोंकी दुकानपर छापा, १४ नमूने लिये

दीपावलीके दृष्टिगत मिलावटी खाद्य पदार्थों एवं मिठाइयों की रोकथाम के लिए खाद्य विभाग की आठ टीमों ने शुक्रवार को जिले की १६ मिठाईयों की दुकान पर छापाकर काररवाई की। नगर में स्थित कामधेनु स्वीट्स, श्री राजस्थानी स्वीट्स, नेतराम, अमृत स्वीट, श्री सैनिक स्वीट्स, हीरा हलवाई, शांती स्वीट्स, शिव मिष्ठान भण्डार, सुलाकी लाल, भगवान दास प्रहलाद दास, जगराम, नन्द स्वीट तथा तहसील बारा, करछना एवं सोरांव में स्थित तीन मिठाई की दुकानों मकालू स्वीट, कल्लू स्वीट एवं बाम्बे स्वीट का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण में मुख्यतः दुकानों की अवसंरचना एवं वेंटिलेशन, दीवारें एवं फर्श, पेयजल मानक, उपकरण एवं खाद्य सम्पर्क सतहें, अपशिष्ट एवं ड्रेनेज सिस्टम, कच्चे माल के रिकार्ड, भण्डारण की स्थिति, संवेदनशील रसायनों का अलगाव, व्यक्तिगत स्वच्छता एवं हाइजीन, तलने में प्रयोग किये गये तेल की स्थिति, निर्धारित खाद्य रंगो का प्रयोग, काउण्टर पर यूज-बाइ-डेट का प्रदर्शन इत्यादि बिन्दुओं की टीम द्वारा सघन जांच की गयी तथा जांच के दौरान पायी गयी कमियों के सापेक्ष कुल १५ प्रतिष्ठानों को सुधार के लिए नोटिस दी गयी। इस दौरान दुकानों से कुल १४ नमूनें संकलित कर जांच के लिए भेजा जायेगा। जांच में मिलावटी सामग्री मिली तो दुकानों के खिलाफ काररवाई होगी।

उमरे मुख्यालयमें सतर्कता जागरूकता सप्ताहका समापन

उत्तर मध्य रेलवे मुख्यालय में प्रशासनिक प्रक्रियाओं में पारदर्शिता, सत्यनिष्ठा और नैतिक आचरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित संगोष्ठी के साथ सतर्कता जागरूकता सप्ताह का समापन हुआ। संगोष्ठी से पहले, सुशासन और राष्ट्रीय एकता के प्रति सरदार बल्लभभाई पटेल की विरासत को सम्मान देने के लिए उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की गयी। महाप्रबंधक नरेश पाल सिंह ने महात्मा गांधी के कालजयी संदेश 'पृथ्वी हर व्यक्ति की आवश्यकता को पूरा करने के लिए पर्याप्त संसाधन देती है, लेकिन हर व्यक्ति के लालच के लिए नहीं'-को उद्धृत किया। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि यह संदेश उत्तर मध्य रेलवे मुख्यालय के प्रवेश द्वार पर आधिकारिक निर्णय लेने और कर्तव्य-निर्वहन के लिए एक निरंतर मार्गदर्शक के रूप में प्रमुखता से अंकित है। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, रेलवे बोर्ड के पूर्व सदस्य वी. पी. पाठक ने नैतिक मानकों को बनाए रखने और सरकारी नियमों एवं प्रक्रियाओं का सख्ती से पालन करने के बारे में सभा को सम्बोधित किया। मुख्य सतर्कता अधिकारी, स्टोर्स विपुल कन्नौजिया ने अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम का समापन उप मुख्य सतर्कता अधिकारी (यांत्रिक) द्वारा प्रस्तुत धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ। इस अवसर पर वार्षिक सतर्कता ई-पत्रिका 'जागृति' का भी आधिकारिक विमोचन किया गया। संचालन उप मुख्य सतर्कता अधिकारी (ट्रैफिक) जे. संजय कुमार ने किया इसी क्रम में उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज मंडल में सतर्कता जागरूकता सप्ताह-२०२६ के अंतर्गत आज प्रयागराज मंडल कार्यालय के सभागार हाल में क्विज एवं निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। मंडल रेल प्रबंधक, प्रयागराज रजनीश अग्रवाल के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य रेल कर्मचारियों में ईमानदारी, पारदर्शिता, जवाबदेही एवं नैतिक मूल्यों के प्रति जागरूकता विकसित करना तथा भ्रष्टाचार के विरुद्ध सजगता की भावना को प्रोत्साहित करना था। वहीं दूसरी ओर केंद्रीय रेल विद्युतीकरण संगठन, प्रयागराज में शुक्रवार को अशोक कुमार वर्मा, महाप्रबंधक, कोर की अध्यक्षता में सतर्कता संगोष्ठी का आयोजन किया गया। महाप्रबंधक ने कहा कि अपने सरकारी कार्य निष्पादन के दौरान प्रत्येक स्टाफ को सतत रूप से सतर्क रहते हुए मानवीय दृष्टिकोण को भी ध्यान में रखना चाहिए । सूचना प्रौद्योगिकी के अधिकाधिक उपयोग के महत्व के बारे में विस्तार से बताया। संगोष्ठी में मुख्य वक्ता शिव कुमार राय, पूर्व आयकर आयुक्त (अपील), एस.एस. नेगी, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी, जे. सी. चौरसिया, प्रमुख मुख्य इंजीनियर सहित कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।



धूमनगंजमें कमरेमें मिला कारोबारीका शव

धूमनगंज के सुलेमसराय स्थित धर्मबीर गली में शुक्रवार शाम ४३ वर्षीय कारोबारी नितिन ग्रोवर उर्फ राजू पंजाबी का शव घर में संदिग्ध दशा में पाया गया। घर का दरवाजा अंदर से बंद था। काफी देर तक दरवाजा नहीं खुलने पर कर्मचारियों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस अंदर पहुंची तो वह अचेत अवस्था में पड़े मिले। उन्हें तत्काल एसआरएन अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।नितिन ग्रोवर का ब्याज पर रुपये देने के अलावा अन्य कई कारोबार थे। बताया जा रहा है कि पिछले काफी समय से उनकी पत्नी और दो बच्चे उन्हें छोड़कर चले गए थे। इसके बाद से वह अकेले ही रह रहे थे। घर में नौकर का आना-जाना लगा रहता था। शुक्रवार शाम पुलिस को सूचना मिली कि घर अंदर से बंद है और काफी देर से दरवाजा नहीं खोला जा रहा है। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची देखा तो अंदर से दरवाजे पर कुंडी लगी हुई है। आसपास के लोगों की मदद से दरवाजा खोला गया तो नितिन ग्रोवर अपने कमरे में नग्न अवस्था में अचेत पड़े थे। पुलिस को आशंका है कि वह शराब पीने के आदी थे। हालांकि घटनास्थल से शराब की कोई बोतल बरामद नहीं हुई है। उनकी मौत किन परिस्थितियों में हुई, फिलहाल इसका पता नहीं चल सका है। धूमनगंज थाना प्रभारी राजीव कुमार ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। उनके मौत की खबर परिजनों को दे दी गई है। शनिवार को पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत की वजह स्पष्ट हो सकेगी।

मारपीट कर युवकका सिर फोड़ा दो मोबाइल एवं चेन गायब

धूमनगंज थाना क्षेत्र के राजरूपपुर में आधी रात दोस्तों के साथ मौजूद युवक से मारपीट का मामला सामने आया है। आरोप है कि छह नामजद और आठ-दस अज्ञात लोगों ने युवक व उसके दोस्तों के साथ मारपीट की। इसमें युवक के सिर में गंभीर चोट आई। आरोप यह भी है कि मारपीट के दौरान दो मोबाइल फोन, चांदी की चेन और अंगूठी गायब हो गई।

राजरूपपुर के जगमल हाता निवासी शिखर श्रीवास्तव ने पुलिस को दी तहरीर में बताया संगम, अनुज, अनिल, अमन, अभिषेक उर्फ गोलू और पप्पू के लड़के समेत आठ-दस लोगों ने उनके साथ मारपीट की। हमले में उनके सिर में गंभीर चोट आई।

पीड़ित के मुताबिक, घटना के दौरान उनका और उनके बड़े भाई का मोबाइल फोन गायब हो गया। इसके अलावा करीब ८५ ग्राम की चांदी की चेन और २५ ग्राम की अंगूठी भी नहीं मिली। धूमनगंज पुलिस मुकदमा दर्ज कर जांच कर रही है।

शिक्षा निदेशालयमें धरना खत्म, अधिकारियोंने ली राहतकी सांस

छात्रोंको हिरासतमें लेनेके बाद सामान्य रूपसे होता रहा कामकाज

टीजीटी-पीजीटी भर्ती के लिए पिछले छह दिनों से शिक्षा निदेशालय में धरना प्रदर्शन बीते गुरुवार को आंदोलन कर नेतृत्व कर रहे आशुतोष पांडेय सहित दस छात्रों को हिरासत में लेने के बाद समाप्त हो गया। हालांकि पुलिस का पहरा बरकरार रहा। शुक्रवार को पूर्व की तरह निदेशालय में कामकाज होता रहा। धरना खत्म होने के बाद अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने राहत की सांस ली।

बता दें कि टीजीटी-पीजीटी भर्ती में पुरानी नियमावली के अनुसार एक अवसर दिए जाने की मांग को लेकर अभ्यर्थी पिछले छह दिनों से शिक्षा निदेशालय में डटे रहे। कई बार पुलिस से झड़प, तोड़फोड़ आदि हुआ। गुरुवार को उनका प्रदर्शन और उग्र हो गया। शिक्षा निदेशालय के गेट पर और अंदर भी प्रदर्शन करने के बाद वह एकलव्य चौराहे पर पहुंच गये और रास्ता जाम कर दिया। जिससे सिविल लाइंस की हर सड़क जाम में तब्दील हो गयी थी। मामले की गंभीरता को समझते हुए पुलिस अधिकारियों की फौज एकलव्य चौराहे पर पहुंच गयी। भारी तादात में पुलिस बल देख आंदोलन कर रहे छात्र खिसकने लगे। धीरे-धीरे वहां छात्र गायब हो गये। कुछ छात्र वहां से फिर शिक्षा निदेशालय की ओर बढ़े और गेट पर पहुंचने पर उन्हें पुलिस ने हिरासत में ले लिया। जिसकी जानकारी मिलने पर बाकी छात्र सामने नहीं आये और धरना समाप्त हो गया। शुक्रवार को सुबह से ही शिक्षा निदेशालय में सामान्य रूप से कामकाज होता दिखा।

छात्रोंके मुकदमे रद करनेकी उठायी मांग

रोजगार अधिकार अभियान ने छात्रों पर दर्ज मुकदमें की निंदा की है। इस अभियान से जुड़े इं.आरबी पटेल ने मांग कि नियमावली २०२५ लागू होने से टीजीटी-पीजीटी से पूर्व में तैयारी कर रहे लाखों बेरोजगार आवेदन से वंचित हो गए हैं। इन्हें एक और मौका देने के लिए छात्र आमरण-अनशन कर रहे थे। इस दौरान सीएम योगी द्वारा ट्वीट कर आश्वस्त किया गया था कि आवश्यक काररवाई की जाए। आलाधिकारियों ने भी यह आश्वस्त किया था कि सभी प्रभावित छात्रों को एक मौका आवेदन के लिए दिलाया जाएगा। अब छात्रों के शांतिपूर्ण आंदोलन पर दमनात्मक काररवाई की जा रही है। आरोप लगाया कि यह प्